Male Female

ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका मेलापक

Male

卐

Female

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर–वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर–वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

Male

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/07/1988**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:45:00 घंटे**
इष्ट	12:54:10 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:15 घंटे
साम्पातिक काल	06:12:45 घंटे
सूर्योदय	05:35:20 घंटे
सूर्यास्त	19:19:08 घंटे
दिनमान	13:43:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:03:21 कर्क
लग्न के अंश	09:06:40 कन्या

Female

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/02/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	36:01:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	06:22:51 घंटे
सूर्योदय	07:05:27 घंटे
सूर्यास्त	18:05:30 घंटे
दिनमान	11:00:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:54:40 मकर
लग्न के अंश	11:18:46 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	कन्या – बुध
राशि–स्वामी	**कन्या – बुध**
नक्षत्र–चरण	**उ०फाल्गुनी – 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो–टोनी
पाया(राशि–नक्षत्र)	स्वर्ण – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	कन्या – बुध
राशि–स्वामी	**कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	**पुष्य – 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो–होमवती
पाया(राशि–नक्षत्र)	स्वर्ण – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

घात चक्र

मास	भाद्रपद
तिथि	5-10-15
दिन	शनिवार
नक्षत्र	श्रवण
योग	शुक्ल
करण	कौलव
प्रहर	1
वर्ग	मेष
लग्न	मीन
सूर्य	मेष
चन्द्र	मिथुन
मंगल	वृष
बुध	मीन
गुरु	मिथुन
शुक्र	कर्क
शनि	मीन
राहु	सिंह

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

घात चक्र

मास	पौष
तिथि	2-7-12
दिन	बुधवार
नक्षत्र	अनुराधा
योग	व्याघात
करण	नाग
प्रहर	1
वर्ग	श्वान
लग्न	तुला
सूर्य	सिंह
चन्द्र	मीन
मंगल	कन्या
बुध	मिथुन
गुरु	तुला
शुक्र	वृश्चिक
शनि	कर्क
राहु	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.
लग्न			कन्या	09:06:40	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र
सूर्य			कर्क	03:03:21	पुनर्वसु	4	गुरु	राहु
चंद्र			कन्या	01:19:36	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु
मंगल			मीन	08:41:22	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र
बुध			मिथु	17:10:29	आर्द्रा	4	राहु	शुक्र
गुरु			वृष	05:49:06	कृतिका	3	सूर्य	बुध
शुक्र			वृष	23:55:42	मृगशिरा	1	मंगल	मंगल
शनि	व		धनु	03:34:15	मूल	2	केतु	सूर्य
राहु			कुंभ	21:18:38	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु
केतु			सिंह	21:18:38	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु
हर्ष	व		धनु	04:14:21	मूल	2	केतु	चंद्र
नेप	व		धनु	14:37:02	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र
प्लूटो	व		तुला	16:03:40	स्वाति	3	राहु	शुक्र

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:54

लग्न कुंडली

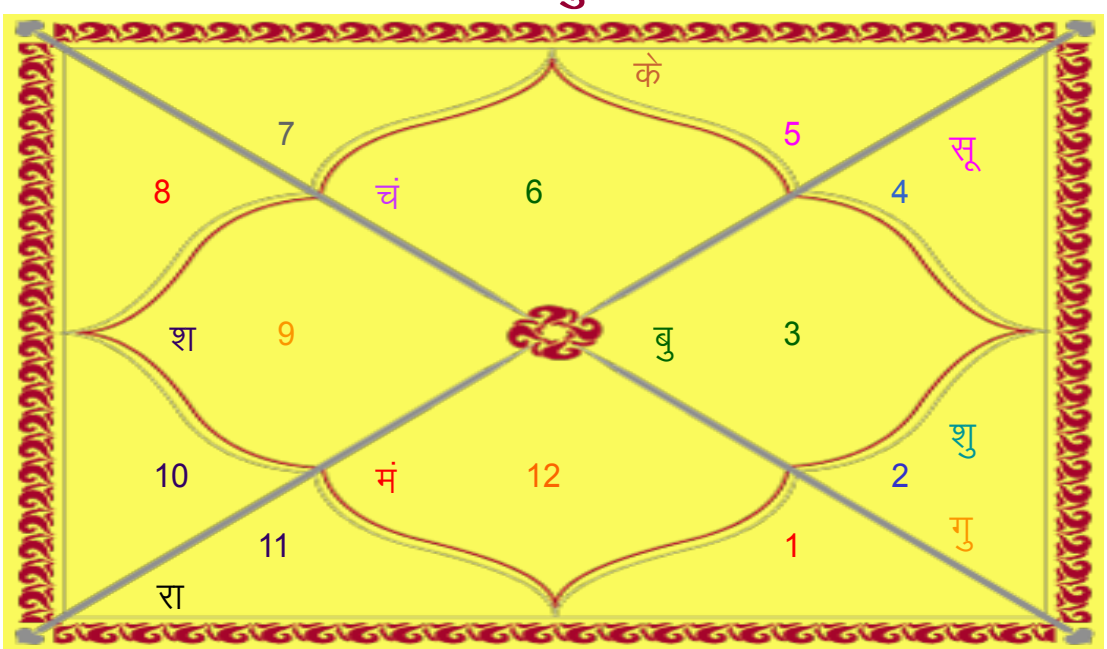

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.
लग्न			कन्या	11:18:46	हस्त	1	चंद्र	मंगल
सूर्य			मक	25:54:40	धनिष्ठा	1	मंगल	राहु
चंद्र			कर्क	11:58:17	पुष्य	3	शनि	चंद्र
मंगल			धनु	13:33:32	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र
बुध			मक	01:50:41	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु
गुरु	व		मिथु	07:31:05	आर्द्रा	1	राहु	राहु
शुक्र			धनु	27:12:00	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	सूर्य
शनि			धनु	26:20:49	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	केतु
राहु			मक	22:46:24	श्रवण	4	चंद्र	सूर्य
केतु			कर्क	22:46:24	आश्लेषा	2	बुध	चंद्र
हर्ष			धनु	14:11:24	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र
नेप			धनु	19:41:23	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	राहु
प्लूटो			तुला	24:01:54	विशाखा	2	गुरु	बुध

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:21

लग्न कुंडली

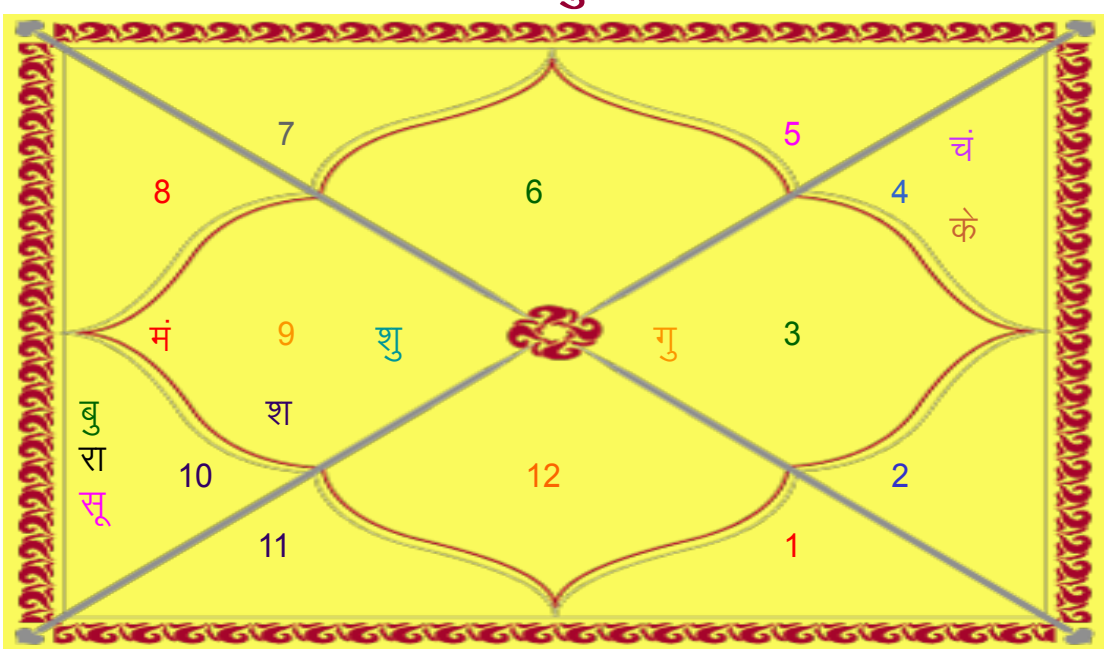

चन्द्र कुंडली

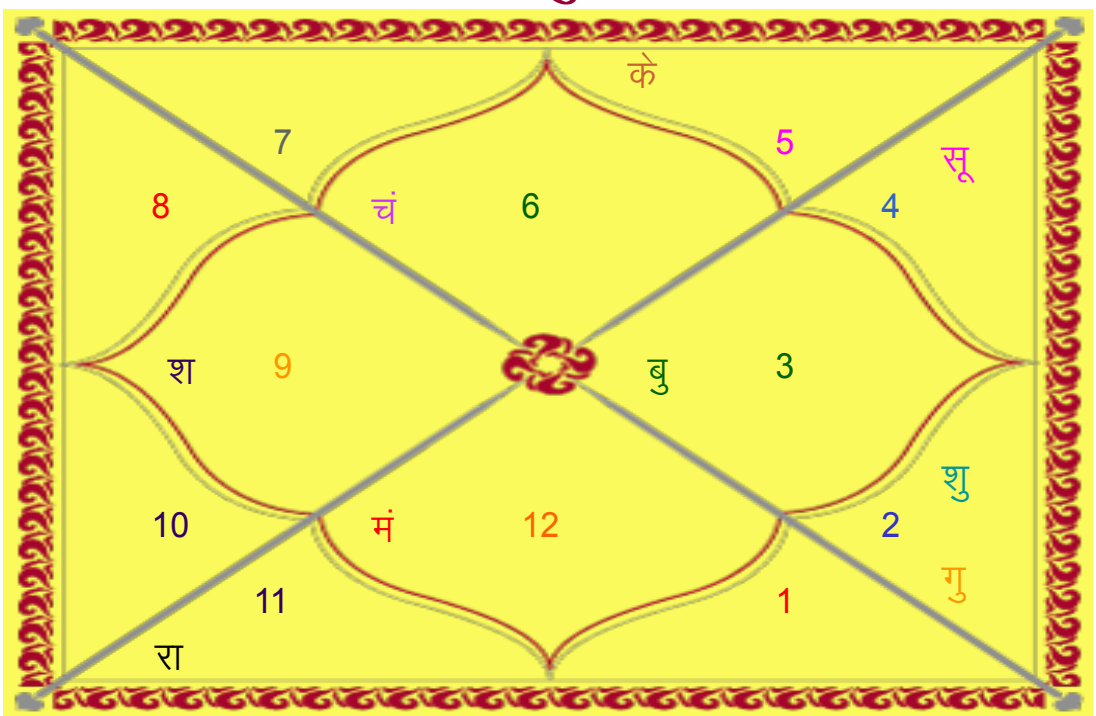

नवमांश कुंडली

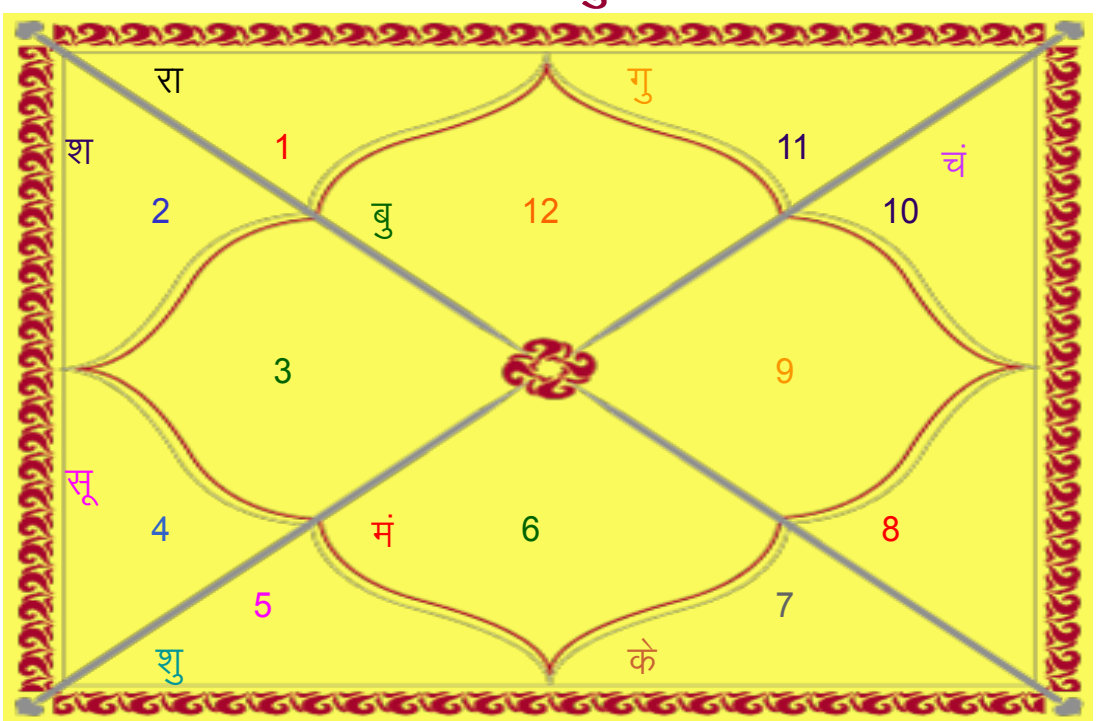

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

चन्द्र कुंडली

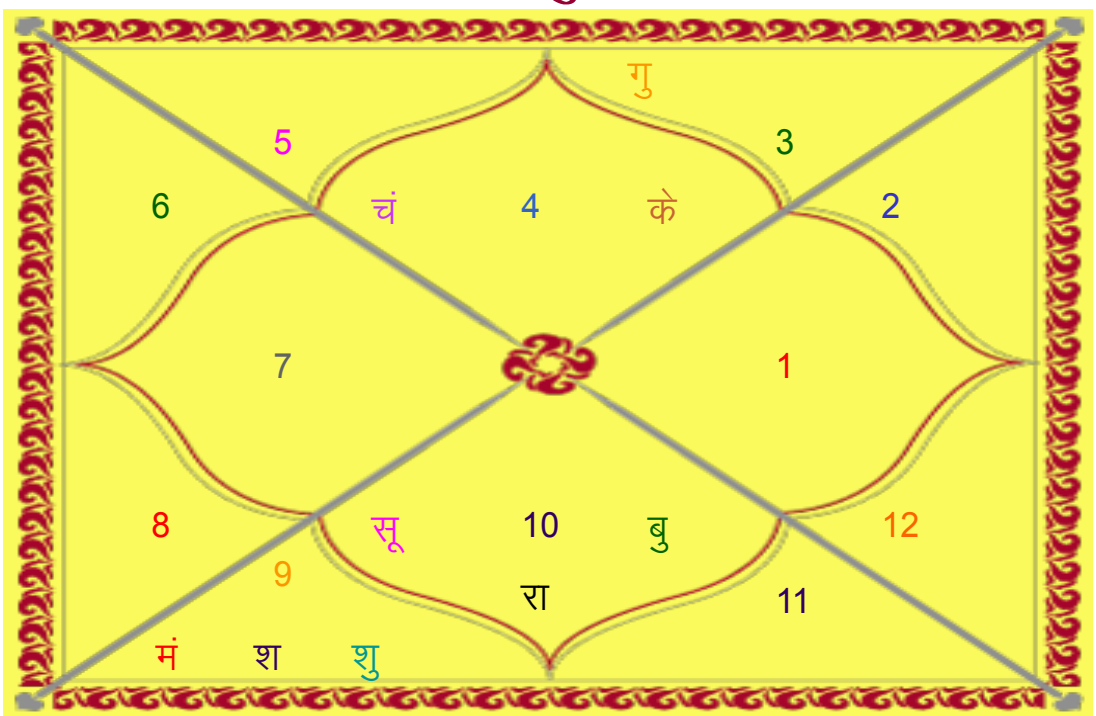

नवमांश कुंडली

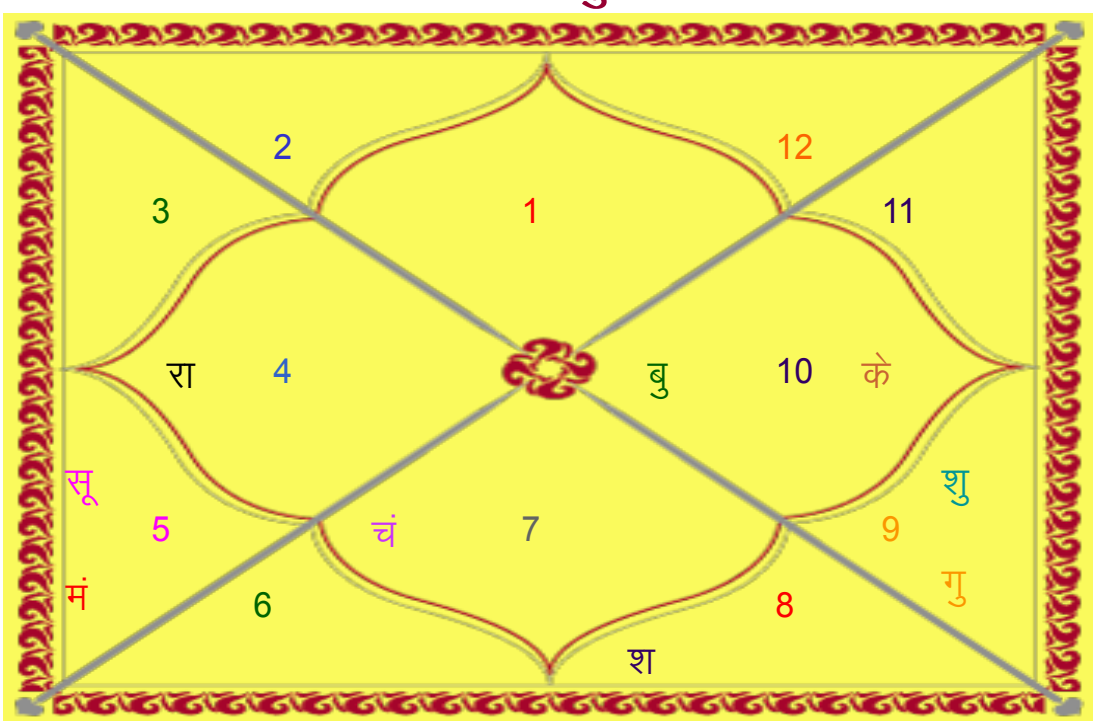

AstroDevam
Ground Floor-39(Gate No-3)
Ansal Fortune Arcade,
Sector-18, Noida-201301
Ph: +91-0120-4233339
Helpline: +91-9650511113
www.astrodevam.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 10 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष	
19/07/1988	
14/06/1992	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	19/07/1988
गुरु	20/04/1989
शनि	02/04/1990
बुध	06/02/1991
केतु	14/06/1991
शुक्र	14/06/1992

चंद्र 10 वर्ष	
14/06/1992	
14/06/2002	
चंद्र	14/04/1993
मंगल	13/11/1993
राहु	15/05/1995
गुरु	13/09/1996
शनि	14/04/1998
बुध	14/09/1999
केतु	14/04/2000
शुक्र	13/12/2001
सूर्य	14/06/2002

मंगल 7 वर्ष	
14/06/2002	
14/06/2009	
मंगल	10/11/2002
राहु	29/11/2003
गुरु	04/11/2004
शनि	13/12/2005
बुध	11/12/2006
केतु	09/05/2007
शुक्र	08/07/2008
सूर्य	13/11/2008
चंद्र	14/06/2009

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - गुरु	
19/07/1988	
20/04/1989	
गुरु	10/08/1988
शनि	25/09/1988
बुध	05/11/1988
केतु	22/11/1988
शुक्र	10/01/1989
सूर्य	25/01/1989
चंद्र	18/02/1989
मंगल	07/03/1989
राहु	20/04/1989

सूर्य - शनि	
20/04/1989	
02/04/1990	
शनि	14/06/1989
बुध	02/08/1989
केतु	22/08/1989
शुक्र	19/10/1989
सूर्य	05/11/1989
चंद्र	04/12/1989
मंगल	25/12/1989
राहु	15/02/1990
गुरु	02/04/1990

सूर्य - बुध	
02/04/1990	
06/02/1991	
बुध	16/05/1990
केतु	03/06/1990
शुक्र	25/07/1990
सूर्य	09/08/1990
चंद्र	04/09/1990
मंगल	22/09/1990
राहु	08/11/1990
गुरु	19/12/1990
शनि	06/02/1991

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 8 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष	
08/02/1990	
18/10/1996	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	08/02/1990
चंद्र	22/04/1990
मंगल	01/06/1991
राहु	07/04/1994
गुरु	18/10/1996

बुध 17 वर्ष	
18/10/1996	
18/10/2013	
बुध	17/03/1999
केतु	13/03/2000
शुक्र	12/01/2003
सूर्य	18/11/2003
चंद्र	19/04/2005
मंगल	16/04/2006
राहु	02/11/2008
गुरु	08/02/2011
शनि	18/10/2013

केतु 7 वर्ष	
18/10/2013	
18/10/2020	
केतु	17/03/2014
शुक्र	17/05/2015
सूर्य	22/09/2015
चंद्र	22/04/2016
मंगल	18/09/2016
राहु	06/10/2017
गुरु	12/09/2018
शनि	22/10/2019
बुध	18/10/2020

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - चंद्र	
08/02/1990	
22/04/1990	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	08/02/1990
शुक्र	24/03/1990
सूर्य	22/04/1990

शनि - मंगल	
22/04/1990	
01/06/1991	
मंगल	16/05/1990
राहु	15/07/1990
गुरु	07/09/1990
शनि	11/11/1990
बुध	07/01/1991
केतु	30/01/1991
शुक्र	08/04/1991
सूर्य	28/04/1991
चंद्र	01/06/1991

शनि - राहु	
01/06/1991	
07/04/1994	
राहु	04/11/1991
गुरु	22/03/1992
शनि	03/09/1992
बुध	28/01/1993
केतु	30/03/1993
शुक्र	19/09/1993
सूर्य	10/11/1993
चंद्र	05/02/1994
मंगल	07/04/1994

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	——	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	0.00	——	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	——	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	——	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	——	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	——	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	——	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	——	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			**36**	**25.50**		

Male का वर्ग श्वान है तथा Female का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और Female का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Female मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Male कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Male कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Male तथा Female में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Male की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Female की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण Male और Female के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

Male की राशि का स्वामी बुध तथा Female की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही Female Male के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे Male को Female से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

Male एवं Female की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

Male का वश्य मानव तथा Female का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः Male और Female के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

Male का वर्ण वैश्य एवं Female का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Male धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन

Female शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

Male और Female की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Male एवं Female की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Male और Female की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Male को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Male और Female धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Male की नाड़ी आद्य तथा Female की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Male हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Female को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Male के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Female भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Male और Female को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Male और Female का मिलान उत्तम

रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Female के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Female को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Male और Female बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Male और Female का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

Female के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Female किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Female के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्य पि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Female को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता

प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Female को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Female के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Female के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल–श्री

Male के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Male अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Male के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Male के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।